कानपुर, शुक्रवार, 27 मार्च, 2026
वर्षः 03, अंकः 78, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर
जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड नवमी की देवी मां सिद्धिदात्री की पौराणिक कथा...>Pg12

योगी को कानपुर के नन्हे हाथों का 'खिलौना बुलडोजर'...>Pg03

मूल्यः ₹

यूपी में पांच दिन में 3000 मेगावाट बढ़ी बिजली की मांग, गैस संकट ने बढ़ाई चिंता

इंडक्शन से यूपी की बिजली हाईजैक!

- बढ़ती गर्मी, इलेक्ट्रिक व्हीकल और इंडक्शन चूल्हों का असर
- गैस आपूर्ति में अनिश्चितता से बिजली तंत्र पर दोहरा दबाव

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में तापमान बढ़ते ही बिजली की मांग ने अचानक रफ्तार पकड़ ली है। महज पांच दिनों के भीतर प्रदेश में बिजली की खपत करीब 3000 मेगावाट तक बढ़ गई, जिससे ऊर्जा विभाग की चिंताएं गहरा गई हैं। 26 मार्च को प्रदेश की अधिकतम बिजली मांग 21,450 मेगावाट तक पहुंच गई, जबकि 10 मार्च को यह आंकड़ा 21,675 मेगावाट दर्ज किया गया था। मांग में यह तेजी ऐसे समय आई है, जब आगे और गर्मी बढ़ने की संभावना है और गैस संकट भी बिजली उत्पादन के लिए नई चुनौती बनकर उभर रहा है।

ऊर्जा विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, मार्च के अंतिम सप्ताह में अचानक तापमान में बढ़ोतरी के कारण कूलर, पंखे और एसी का उपयोग तेजी से बढ़ा है। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) चार्जिंग और इंडक्शन चूल्हों का इस्तेमाल भी बिजली खपत में इजाफे की बड़ी वजह बन रहा है। शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ अब ग्रामीण इलाकों में भी बिजली पर निर्भरता तेजी से बढ़ रही है।

हालांकि, इस बढ़ती मांग के बीच सबसे बड़ी चिंता गैस आधारित बिजली उत्पादन को लेकर है। प्रदेश के कई गैस आधारित पावर प्लांट सीमित क्षमता पर चल रहे हैं या बंद पड़े हैं, क्योंकि उन्हें पर्याप्त गैस आपूर्ति नहीं मिल पा रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गैस की कीमतों में उतार-चढ़ाव और आपूर्ति की अनिश्चितता का सीधा असर बिजली उत्पादन पर पड़ रहा है। ऐसे में कोयला आधारित प्लांटों पर दबाव और बढ़ गया है।

ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि अगर गैस संकट गहराता है, तो पीक डिमांड के समय बिजली आपूर्ति बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। खासतौर पर अप्रैल और मई के महीनों में जब तापमान चरम पर होता है, तब बिजली की मांग रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच सकती है। ऐसे में उत्पादन और आपूर्ति के बीच संतुलन बनाए रखना बड़ी परीक्षा होगी।

उपभोक्ता परिषद ने भी इस स्थिति को लेकर पावर कॉरपोरेशन से तत्काल तैयारी करने की मांग की है। परिषद का कहना है कि अचानक बढ़ती मांग के बीच अगर समय रहते व्यवस्थाएं मजबूत नहीं की गईं, तो उपभोक्ताओं को कटौती का सामना करना पड़ सकता है। परिषद ने ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को मजबूत करने के साथ-साथ वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर भी जोर देने की जरूरत बताई है।

- पांच दिनों में 3000 मेगावाट तक बढ़ी बिजली मांग
- 26 मार्च को 21,450 मेगावाट तक पहुंची खपत
- गैस संकट के चलते उत्पादन पर मंडरा रहा खतरा
- ईवी चार्जिंग और इंडक्शन चूल्हों से बढ़ी खपत
- अप्रैल-मई में मांग और बढ़ने की संभावना
- उपभोक्ता परिषद ने पावर कॉरपोरेशन से मांगी ठोस तैयारी
- वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर जोर देने की बढ़ी जरूरत

ऊर्जा विभाग का दावा है कि वर्तमान में स्थिति नियंत्रण में है और सभी पावर प्लांटों को अधिकतम क्षमता पर चलाने की कोशिश की जा रही है। साथ ही, अन्य राज्यों से बिजली खरीदने की भी तैयारी रखी गई है ताकि आपूर्ति बाधित न हो। बावजूद इसके, गैस संकट और बढ़ती मांग का संयुक्त असर आने वाले दिनों में सिस्टम पर दबाव बढ़ा सकता है।

विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि बदलती जीवनशैली और तकनीकी उपयोग के कारण बिजली की मांग का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। ऐसे में केवल पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर रहना भविष्य में संकट को और गहरा सकता है। सौर और पवन ऊर्जा जैसे विकल्पों को तेजी से बढ़ावा देना अब समय की जरूरत बन चुका है।

चार बच्चे डूबे, दो के शव मिले, दो की तलाश जारी

गंगा में नहाने उतरे मासूमों पर काल का साया

स्वराज इंडिया ब्यूरो

प्रयागराज। जिले के मांडा क्षेत्र में शनिवार सुबह एक हृदयविदारक हादसे ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया। बादपुर गंगा घाट पर नहाने गए सात मासूम बच्चों में से चार अचानक गहरे पानी में समा गए। इस दर्दनाक घटना में अब तक दो बच्चों के शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि दो अन्य बच्चों की तलाश लगातार जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 11 बजे बामपुर की दलित बस्ती के सात बच्चे रोज की तरह गंगा नदी में नहाने के लिए पहुंचे थे। शुरू में सभी बच्चे किनारे के पास ही पानी में खेल रहे थे, लेकिन कुछ ही देर में चार बच्चे अचानक गहराई की ओर बढ़ गए। गंगा की तेज धारा और अचानक बढ़ी गहराई के कारण बच्चे संभल नहीं सके और देखते ही देखते

- मांडा क्षेत्र के बादपुर घाट पर हादसा, मछुआरों ने तीन को बचाया; गांव में पसरा मातम
- तेज धारा और गहराई बनी जानलेवा, प्रशासन ने लोगों से बरतने को कहा विशेष सतर्कता

डूबने लगे।घाट पर मौजूद स्थानीय मछुआरों ने स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। उनकी तत्परता से तीन बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हालांकि, चार बच्चों में से दो को बचाया नहीं जा सका और उनके शव नदी से निकाल लिए गए। बाकी दो बच्चों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन लगातार जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई। गोताखोरों की मदद से नदी में खोजबीन तेज कर दी गई है। हालांकि, गंगा की तेज धारा और अधिक गहराई के चलते राहत और बचाव कार्य में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन का कहना है कि जब तक दोनों लापता बच्चों का पता नहीं चल जाता, तब तक अभियान जारी रहेगा।

हादसे के बाद बामपुर गांव में मातम का माहौल है। मृत बच्चों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है और हर आंख नम नजर आ रही है। ग्रामीणों ने बताया कि घाट पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं, जिससे इस तरह की घटनाएं बार-बार होती हैं। प्रशासन ने घटना के बाद लोगों से अपील की है कि बच्चों को नदी या अन्य जलस्रोतों के पास अकेले न जाने दें। साथ ही, नहाने के दौरान विशेष सतर्कता बरतने और गहरे पानी से दूर रहने की सलाह दी गई है। यह हादसा एक बार फिर से यह सवाल खड़ा करता है कि आखिर घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कब तक लापरवाही जारी रहेगी।

सम्राट अशोक क्लब में केतकी कुशवाहा को मिला गौरवपूर्ण सम्मान

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। कल्याणपुर के बुद्ध पार्क स्थित सम्राट अशोक क्लब में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा की राष्ट्रीय सचिव केतकी कुशवाहा को वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के गणमान्य लोग उपस्थित रहे और सामाजिक कार्यों में उनके योगदान की सराहना की।

कार्यक्रम के दौरान केतकी कुशवाहा को महान चक्रवर्ती सम्राट अशोक के प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके लंबे समय से समाज सेवा, जनजागरूकता और सामाजिक उत्थान के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए प्रदान किया गया।

सम्मान प्राप्त करने के बाद केतकी कुशवाहा ने कहा कि उन्हें जीवन में कई मंचों पर सम्मान मिलने का अवसर मिला है, लेकिन सम्राट अशोक के प्रतीक चिन्ह से सम्मानित होना उनके लिए विशेष गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उन्हें समाज के लिए और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि केतकी कुशवाहा ने समाज सेवा के क्षेत्र में जो योगदान दिया है, वह अन्य लोगों के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके कार्यों से समाज में सकारात्मक बदलाव आया है और आगे भी उनसे इसी प्रकार की सक्रिय भूमिका की अपेक्षा की जाती है।

इस अवसर पर आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया गया और सामाजिक एकता व जागरूकता को मजबूत करने का संकल्प भी लिया गया।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती

37वीं वाहिनी पीएसी में मैराथन व साइक्लोथॉन

» एकता वर्ष के तहत कार्यक्रम, अफसरों जवानों,छात्रों ने जोश के साथ लिया हिस्सा

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर नगर। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर 37वीं वाहिनी पीएसी में शुक्रवार को मैराथन दौड़ और साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 'एकता वर्ष' के तहत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य नई पीढ़ी में राष्ट्रीय एकता, अनुशासन और देशभक्ति की भावना को मजबूत करना रहा।

कार्यक्रम का आयोजन शासन और पीएसी मुख्यालय के निर्देशों के अनुपालन में किया गया। सेनानायक बीबी चौरसिया (आईपीएस) की उपस्थिति और मार्गदर्शन में कार्यक्रम संपन्न हुआ। शिविरपाल चंद्रेश्वर के संयोजन में आयोजित इस आयोजन में साइकिल रैली और हाफ मैराथन के माध्यम से सरदार पटेल के विचारों और उनके संकल्पों को याद किया गया। इस दौरान वाहिनी के अधिकारी और कर्मचारी, स्पोर्ट्स टीम, प्रशिक्षु आरक्षी तथा पुलिस मॉडर्न स्कूल के शिक्षक और छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने अनुशासन और ऊर्जा के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया।कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा, यातायात और चिकित्सा की समुचित व्यवस्था की गई, जिससे आयोजन बिना किसी व्यवधान के संपन्न हुआ। आयोजन स्थल पर सभी व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित की गई थीं। इस अवसर पर दलनायक ब्रजकिशोर शाहू, सूबेदार सैन्य सहायक सुरेंद्र सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के समापन पर सेनानायक ने प्रतिभागियों, छात्रों और प्रशिक्षु आरक्षियों को नींबू पानी और बिस्कुट वितरित किए। इस दौरान उन्होंने सभी को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने और राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया।

सीएम योगी को कानपुर के नन्हे हाथों का 'खिलौना बुलडोजर'

गोरखनाथ मंदिर में मासूम भेंट ने जीता मुख्यमंत्री का दिल, मुस्कान और स्नेह से भरा रहा पल

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर/गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गोरखपुर दौरे के दौरान शुक्रवार सुबह एक ऐसा भावुक और दिलचस्प क्षण सामने आया, जिसने पूरे माहौल को मानवीय संवेदनाओं से भर दिया। गोरखनाथ मंदिर परिसर में भ्रमण के दौरान कानपुर से आई पांच वर्षीय बच्ची यशस्विनी ने मुख्यमंत्री को 'खिलौना बुलडोजर' भेंट किया। यह छोटा-सा उपहार देखते ही वहां मौजूद लोगों के चेहरों पर मुस्कान फैल गई, वहीं मुख्यमंत्री भी इस मासूम भेंट से गदगद नजर आए।

'खिलौना बुलडोजर' केवल एक खिलौना नहीं रहा, बल्कि वह विश्वास और भावनाओं का प्रतीक बन गया। मुख्यमंत्री ने बच्ची को अपने पास बुलाया, उससे स्नेहपूर्वक बातचीत की और उसके साथ तस्वीर भी खिंचवाई। उन्होंने बच्ची को मन लगाकर पढ़ाई करने की सलाह दी। इस आत्मीय संवाद के बाद मुख्यमंत्री ने स्नेहपूर्वक वही खिलौना उसे वापस कर दिया। बच्ची खुशी-खुशी वहां से विदा हुई, लेकिन यह पल सभी के दिलों में छाप छोड़ गया।

इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से भी इसे साझा करते हुए लिखा गया कि यह नन्हा-सा उपहार बड़े विश्वास का प्रतीक है और मासूम भावनाओं की सशक्त अभिव्यक्ति है। गोरखनाथ मंदिर परिसर में मिला 'खिलौना बुलडोजर' भले ही आकार में छोटा था, लेकिन उसने विश्वास, स्नेह और जन-नेता के रिश्ते को एक नई ऊंचाई दे दी।

इससे पहले, राम नवमी के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में उतारने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति, सत्य, करुणा और मर्यादा के सर्वोच्च प्रतीक हैं। राम नवमी का पर्व हमें सौहार्द और आदर्श जीवन मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देता है। उन्होंने इसे 'रामत्व' के भाव को समझने और उसे व्यवहार में लाने का अवसर बताया।

गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री ने अपने नियमित जनता दर्शन कार्यक्रम में भी भाग लिया। गोरखनाथ मंदिर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। विभिन्न जिलों से आए फरियादियों के प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए उन्होंने त्वरित और

संतुष्टिपरक निस्तारण के निर्देश दिए। जनता दर्शन के दौरान कुछ लोगों ने दबंगों द्वारा डराने-धमकाने की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा, 'गुंडागर्दी करने वालों को उठाकर बंद करो।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई अभियुक्त जमानत पर छूटने के बाद वादी को धमकाता है, तो उसकी जमानत निरस्त कराने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर व्यक्ति को बिना भेदभाव न्याय मिले और पात्र लोगों तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। जरूरतमंदों के इलाज की समुचित व्यवस्था करने और जमीन कब्जाने वाले भू-माफियाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने पर भी उन्होंने जोर दिया।

'खिलौना बुलडोजर' का प्रतीकात्मक अर्थ

- उत्तर प्रदेश की राजनीति में 'बुलडोजर' सख्त प्रशासन और कानून व्यवस्था का प्रतीक माना जाता है
- बच्ची द्वारा दिया गया 'खिलौना बुलडोजर' इसी छवि के प्रति भरोसे और आकर्षण को दर्शाता है
- यह वाक्या बताता है कि राजनीतिक प्रतीक आम जनमानस, यहां तक कि बच्चों तक भी पहुंच चुके हैं
- मासूम भेंट ने कठोर छवि के बीच मानवीय पक्ष को भी उजागर किया

पूर्व भाजपा विधायक के शोरूम में चोरी, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर में अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। ताजा मामला हनुमंत विहार थाना क्षेत्र का है, जहां पूर्व भाजपा विधायक रघुनंदन सिंह भदौरिया के शोरूम को चोरों ने देर रात निशाना बना लिया। इस वारदात से इलाके में हड़कंप मच गया है और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार, बीती रात अज्ञात चोरों ने सुनियोजित तरीके से शोरूम में घुसकर चोरी की घटना को अंजाम दिया। आशंका जताई जा रही है कि चोर शोरूम से नकदी के साथ-साथ कीमती सामान भी अपने साथ ले गए हैं। सुबह जब शोरूम खोला गया तो अंदर का नजारा देखकर कर्मचारियों के होश उड़ गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

घटना की सूचना मिलते ही हनुमंत विहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस ने शोरूम के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है, ताकि चोरों की पहचान की जा सके। प्रारंभिक जांच में यह भी माना जा रहा है कि चोरी की इस वारदात को पेशेवर गिरोह ने अंजाम दिया है, जिसने पहले से रेकी की होगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके में रात के समय पुलिस गश्त की कमी के चलते इस तरह की घटनाएं

⇨ हनुमंत विहार क्षेत्र में देर रात वारदात, नकदी व कीमती सामान ले उड़े चोर; सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

बढ़ रही हैं। वहीं, इस वारदात ने व्यापारियों में भी भय का माहौल पैदा कर दिया है। व्यापारी वर्ग ने पुलिस प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और जल्द से जल्द चोरों की गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा। फिलहाल चोरी में कितने का नुकसान हुआ है, इसका आकलन किया जा रहा है। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर शहर में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद क्यों हैं और पुलिस की मौजूदगी के बावजूद इस तरह की घटनाएं कैसे हो रही हैं।

राम नवमी पर डीएम ने किया जलाभिषेक रामभक्ति में सराबोर हुआ सरसैया घाट

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। राम नवमी के पावन अवसर पर जनपद में श्रद्धा और भक्ति का वातावरण देखने को मिला। इस खास मौके पर जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने सरसैया घाट स्थित प्राचीन राम जानकी मंदिर पहुंचकर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के श्री विग्रह का विधि-विधान से जलाभिषेक किया। पूजा-अर्चना के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से गूंज उठा और श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन को और भी विशेष बना दिया।

जिलाधिकारी ने पूरे श्रद्धा भाव के साथ भगवान श्रीराम की पूजा कर जनपदवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं से भी संवाद किया और सभी को राम नवमी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन हमें सत्य, मर्यादा, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देता है। उनके आदर्श आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। यदि हम उनके जीवन मूल्यों को अपने आचरण में उतारें, तो समाज में सकारात्मक बदलाव संभव है। उन्होंने कहा कि राम नवमी का पर्व केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और एकता का भी प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि इस पावन अवसर पर हम सभी को आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भाव बनाए रखने का संकल्प लेना चाहिए। समाज में शांति और सौहार्द बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है और ऐसे पर्व हमें एक-दूसरे के करीब लाने का अवसर प्रदान करते हैं। कुल मिलाकर राम नवमी के इस आयोजन ने जनपद में धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का संदेश दिया।

⇨ राम जानकी मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना, जनपदवासियों के सुख-समृद्धि की कामना

भगतसिंह, राजगुरु व सुखदेव को फांसी पर झूलने का दृश्य देख लोगों की आंखें हुई नम

भगौती बाल उद्यान में शहीद मेला व वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया, देश भक्ति के स्वर से गूंजे

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मुंगराबादशाहपुर (जौनपुर) सजई कला पंवारा में स्थित भगौती बाल उद्यान में शुक्रवार को शहीद मेला व वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही वक्ताओं ने गरीबी क्यो है निर्धारित विषय पर चर्चा किया। कार्यक्रम का शुभारंभ वहां पर स्थापित शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करके अतिथियो ने किया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत देश भक्ति गीत व नृत्य देख सुन कर लोग देश भक्ति भावना में डूब गए। शहीद भगत सिंह,सुख देव,राजगुरु व वीरांगना चंद्रशेखर आजाद पर आधारित नाटक को देख कर लोगों में देश प्रेम की भावना जागृत हो गया।

भगत सिंह,सुखदेव व राजगुरु को फांसी के तख्ते की ओर जाते समय का दृश्य देख कर लोगों की आँखे नम हो गई।

पूरा पंडाल इंकलाब जिंदाबाद तथा भगतसिंह, राजगुरू, सुखदेव अमर रहे के उद्घोष से गूंज उठा। भगतसिंह बृजेश कुमार , राजगुरु अंकित सरोज , सुखदेव संजीत, चंद्र शेखर आर्यन ने भूमिका निभाई। मुख्य अतिथि डॉ ओपी सिंह ने कहा कि बच्चों को सजाने व संवारने में शिक्षकों का विशेष योगदान होता है। इन्हीं के मेहनत का फल है कि मंच पर आज बच्चों ने आजादी के अग्रदूतों का सजीवता पूर्ण मंचन करने में सफल रहे।

विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार व पूर्व सभासद बृजेश कुमार गुप्त ने कहा कि बच्चों द्वारा प्रस्तुत देश भक्ति गीत व नृत्य राष्ट्रीय भावना को जगाने में एक अनोखा पहल है। इसके तैयारी के लिए विद्यालय के शिक्षक व शिक्षिकाओं को धन्यवाद देता हूं।

एडवोकेट जय प्रकाश सिंह, पिंकी दूबे , सालिक राम पटेल, कल्पनाथ गुप्ता,रामनाथ यादव, सुभाष चंद्र पटेल, सत्यनारायण पटेल, सुभाष चन्द्र गौतम आदि ने आजादी की लड़ाई में शहीदों का योगदान पर चर्चा किया। प्रबंधक एडवोकेट अनिल वर्मा सहित अतिथियों ने बच्चों को मेडल,ज्ञान वर्धक किताब व कप देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के अध्यक्ष रामलखन पटेल ने तथा संचालन संदीप शर्मा, अंजली यादव व आर्यन यादव ने किया। अयोजक शिक्षक नेता सालिक राम पटेल ने आगुंतकों के प्रति आभार जताया। शीतान्सु श्रीवास्तव, मनीष कुमार,आशुतोष श्रीवास्तव, भोलनाथ यादव, ज्ञानेन्द्र कुमार, चन्द्रकला पटेल,आशु आदि मौजूद थे

माता-पिता की सेवा करना ही है सबसे से बड़ा तीर्थ

त्याग व संतोष जीवन का सबसे अनमोल धन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मुंगराबादशाहपुर (जौनपुर) शांति कुंज हरिद्वार से पधारे संत गौरीश पाण्डेय ने कहा कि माता पिता की सेवा करना ही सबसे बड़ा तीर्थ है। इससे बढ़कर दुनिया में न तो कोई पुण्य है और न तो कोई धर्म ही है।इसी के द्धारा व्यक्ति मातृ व पितृ ऋष्ण को चुका सकता है। लाख तीर्थ यात्रा कर डालो और मंदिरों पर लाख प्रसाद चढ़ा डालो। सब व्यर्थ है।जब तक घर में बैठे देवी देवता के रूप में माता पिता की सेवा न करें और उन्हें भरपेट भोजन न कराएं।

उक्त बातें उन्होंने मुंगराबादशाहपुर के स्टेशन रोड पर स्थित मां गायत्री शक्तिपीठ पर चल रहे पांच कुंडीय यज्ञ में नवमी के दिन प्रभू श्रीराम जन्मोत्सव की सारगर्भिता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का चरित्र कोई मामूली चीज नही बल्कि दर्शन व विज्ञान है।इसे जीवन में उतार कर व्यक्ति दिव्यता को प्राप्त कर सकता है। भगवान राम ने पिता राजा दशरथ की अज्ञा के आगे सिंहासन को त्याग कर चौदह वर्ष का वनवास चुना।तो वहीं भरत ने त्याग कर भाई राम के लिए राज गद्दी पर नही बैठे।जो कर्तब्यपरायणता में एक मिशाल बन गया है। यह भी दर्शाता है कि त्याग व संतोष जीवन का सबसे अनमोल धन है।श्री संत ने कहा कि विषम परिस्थितियों में भी व्यक्ति को कभी भी दुग्ख के घड़ी में भी हीन भावना नही लानी चाहिए।क्यो कि यह असफलता का द्योतक है। इसमें व्यक्ति को दुगने उत्साह के साथ काम करना चाहिए तभी वह दुग्खो से मुक्ति के साथ अपने मंजिल को प्राप्त कर सकता है। मुख्य रूप से माया देवी, हेमंत शर्मा, आदि मौजूद रहे।

मुंगराबादशाहपुर में गैस सिलेंडर आपूर्ति चरमराई, उपभोक्ता परेशान

» बुकिंग के बाद भी नहीं मिल रहा सिलेंडर, डोर-टू-डोर डिलीवरी भी ठप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मुंगराबादशाहपुर (जौनपुर)। सरकार द्वारा रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति को सुचारु बनाए रखने और उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए लगातार निर्देश दिए जा रहे हैं। इसके बावजूद मुंगराबादशाहपुर क्षेत्र में गैस सिलेंडर वितरण व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है, जिससे उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि गैस बुकिंग कराने के बाद भी समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। यहां तक कि डोर-टू-डोर डिलीवरी की व्यवस्था भी ठप पड़ी हुई है। उपभोक्ताओं को सिलेंडर प्राप्त करने के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। राजेश कुमार मौर्य, महेश कुमार और लोलार्क प्रजापति समेत कई उपभोक्ताओं ने बताया कि बुकिंग के बावजूद उन्हें सिलेंडर नहीं मिल रहा है, जिससे दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कोई निर्धारित स्थान भी तय नहीं किया गया है, जहां से आसानी से गैस सिलेंडर प्राप्त किया जा सके। हालांकि संबंधित एजेंसी द्वारा बेहतर व्यवस्था का दावा किया जा रहा है, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति इसके विपरीत नजर आ रही है।क्षेत्रीय लोगों ने गैस सिलेंडर वितरण व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए जिला प्रशासन से हस्तक्षेप कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है, ताकि उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

सतहरिया औद्योगिक क्षेत्र में फिर लगा स्वागत द्वार, उद्यमियों में खुशी

साइन बोर्ड हटने से हो रही थी परेशानी, लंबे समय से उठ रही थी मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मुंगराबादशाहपुर (जौनपुर) के सतहरिया औद्योगिक क्षेत्र स्थित हाइवे पर एक बार फिर स्वागत द्वार का साइन बोर्ड लगाए जाने से उद्यमियों में खुशी की लहर है। इस पहल के लिए इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) के पदाधिकारियों व स्थानीय उद्यमियों ने सीडा प्रशासन की सराहना की है।

आईआईए के अध्यक्ष बृजेश यादव ने बताया कि पूर्व में लगा साइन बोर्ड खराब हो गया था, जिसके चलते सीडा प्रशासन ने उसे हटवा दिया था। बोर्ड हटने के बाद राहगीरों और वाहन चालकों को सतहरिया औद्योगिक क्षेत्र का सही स्थान समझने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। कई बार वाहन चालकों को आगे-पीछे जाना पड़ता था, जिससे समय और ईंधन दोनों की बर्बादी हो रही थी। उन्होंने बताया कि संगठन द्वारा लंबे समय से अटल मिशन योजना के तहत नए साइन बोर्ड की स्थापना की मांग की जा रही थी। अब बोर्ड लग जाने से क्षेत्र की पहचान स्पष्ट हो सकेगी और यातायात सुगम होगा।उद्यमियों ने इस कार्य के लिए सीडा प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि आगे भी औद्योगिक क्षेत्र की सुविधाओं में सुधार किया जाएगा। इस अवसर पर सुनील यादव, हर्षित सिंह, शिव पूजन यादव, अरविंद मौर्या, गुलाब चन्द्र पाण्डेय और शत्रुघ्न मौर्या सहित कई उद्यमी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

गैरजरूरी खींचतान में फंसे पंजाब-हिमाचल

सही मायनों में पंजाब तथा हिमाचल प्रदेश में सीमा प्रवेश शुल्क को लेकर जारी विवाद ने देश के संघीय ढांचे में व्याप्त एक गहरी खामी को ही उजागर किया है। जो बताता है कि देश के राज्यों की राजस्व जरूरतों तथा अंतर्राज्यीय आवागमन के सिद्धांतों के बीच टकराव के कारण मौजूद हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि हिमाचल प्रदेश फिलहाल वित्तीय संकट की चुनौती से रूबरू है। उसने अपने वित्तीय संसाधन बढ़ाने के लिये दूसरे राज्यों से आने वाले वाहनों पर राज्य में प्रवेश करने का शुल्क लगभग दोगुना करने का निर्णय लिया है। हालांकि, हिमाचल प्रदेश ने यह फैसला अपने आय के स्रोतों को बढ़ाने के लिए लिया था। लेकिन यह वित्तीय फैसला बाद में हिमाचल प्रदेश व पंजाब में राजनीतिक व आर्थिक विवाद का रूप ले चुका है। यही वजह है इस फैसले से ज्यादा प्रभावित राज्य पंजाब ने भी हिमाचल प्रदेश के वाहनों पर ऐसे ही कर बढ़ाने की धमकी दे दी है। वास्तव में हिमाचल सरकार का यह फैसला दूरगामी दृष्टिकोण को नहीं दर्शाता है। यह सर्वविदित है कि हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था बहुत अधिक हद तक पर्यटन उद्योग पर ही निर्भर है। ऐसे में इस कदम का राज्य के पर्यटन उद्योग पर नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। यह बढ़ाया गया प्रवेश शुल्क पर्यटकों पर अतिरिक्त बोझ डाल सकता है। खासकर पड़ोसी राज्य पंजाब से आने वाले कम बजट के साथ यात्रा पर निकले पर्यटकों के लिये, जो कि सप्ताहांत में आने वाले पर्यटकों का एक बड़ा हिस्सा है। निस्संदेह, इस फैसले से ऐसे पर्यटक हतोत्साहित हो सकते हैं। इस समस्या का एक पहलू यह भी है कि मौजूदा प्रतिस्पर्धी पर्यटन के परिदृश्य में टैक्स बढ़ाए जाने पर पर्यटक वैकल्पिक पहाड़ी पर्यटक स्थलों की ओर रुख कर सकते हैं। राज्य द्वारा बाद में इस कर-वृद्धि के फैसले की समीक्षा करने का निर्णय लेना, निश्चित रूप से इस मुद्दे की आर्थिक संवेदनशीलता को ही दर्शाता है।यह भी एक हकीकत है कि दो राज्यों के बीच लिए गए कर बढ़ाने के ऐसे फैसलों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत होनी चाहिए। यह जानते हुए कि हिमाचल प्रदेश गंभीर आर्थिक चुनौती का सामना कर रहा है, पंजाब की प्रतिक्रिया संवेदनशील ढंग से सामने आनी चाहिए थी। ऐसे में पंजाब की हिमाचल की तर्ज पर कर बढ़ाने की चेतावनी प्रतिशोधात्मक नीति पर चलने के अप्रिय फैसले को ही उजागर करती है। इस तरह की बदले में कर लगाने की नीति राजनीतिक दृष्टि से भले ही सुविधाजनक लगती हो, लेकिन आम लोगों को इसका खमियाजा भुगतना पड़ता है। इनकी यात्रा की सुगमता सीमा पार सुचारू आवागमन पर निर्भर करती है। निर्विवाद रूप से दोनों राज्यों के बीच अंतर्राज्यीय गलियारे व्यापार, श्रम गतिशीलता और क्षेत्रीय एकीकरण की जीवन रेखा के पर्याय होते हैं।

यदि हम व्यापक स्तर पर इस समस्या को देखें तो यह घटनाक्रम देश के संघवाद की भावना पर भी प्रश्न उठाता है। यह एक हकीकत है कि वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी ढांचे द्वारा समर्थित हमारी आर्थिकी की संरचना का लक्ष्य आंतरिक व्यापार बाधाओं को कम करना है। दूसरे अर्थों में देखें कि बाहरी राज्यों से आने वाले वाहनों पर असमान रूप से लक्षित करके अतिरिक्त प्रवेश-कर लगाना, इस उद्देश्य को कमजोर कर सकता है।

2 लाख महिलाओं से रेप, 3,000,000 की हत्या

डा0 सुधीर सचदेवा

बांग्लादेश में 25 मार्च 1971 को नरसंहार दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन पाकिस्तानी सेना ने ऑपरेशन सर्चलाइट के नाम पर तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान ने निहत्थे लोगों का कत्लेआम किया था। 2017 को शेख हसीना की सरकार के कार्यकाल में बांग्लादेश की संसद ने सर्वसम्मति से इसे नरसंहार दिवस घोषित किया था।फ्हेलो अब्दुल्ला मैं गंधर्व बोल रहा हूं। उधर से आवाज आती है गंधर्व तुम कहां हो। जवाब मिलता है मैं ढाका के बाहर खड़ा हूं और तुम्हारे सरेंडर का इंतजार कर रहा हूं। यह दो दोस्तों के बीच की बातचीत थी। दो कोर्समेट जिन्होंने एक साथ आर्मी जवाइन की एक ढाका में पाकिस्तानी आर्मी के हेड क्वार्टर में था और दूसरा ढाका के बाहर अपनी 3000 सैनिकों की टुकड़ी के साथ मीरपुर ब्रिज पर। यह एक विजय योद्धा और हारे हुए जनरल के बीच की बातचीत थी।

ये भारतीय सेना के मेजर जनरल गंधर्व सिंह नागरा और पाकिस्तान आर्मी के लेफ्टिनेंट जनरल अमीर अब्दुल्ला खान नियाजी के बीच की बातचीत थी। थोड़ी देर बाद मेजर जनरल नागरा, जनरल नियाजी के ऑफिस में थे। भारतीय सैन्य अधिकारियों के सामने पाकिस्तानी सेना के लेफ्टिनेंट जनरल नियाजी रो रहे थे पाकिस्तानी सेना ने घुटने टेक दिए भारतीय सेना के ईस्टर्न कमांड के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा और चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल जेएफ आर जैकब ढाका पहुंच चुके थे शाम 431 पर पाकिस्तानी आर्मी के लेफ्टनंट जनरल नियाजी ने आत्मसमर्पण के कागजों पर दस्तखत किए। भारतीय सेना की ओर से लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा ने इसे रिसीव किया। मुक्ति वाहिनी जिंदाबाद, तोमार आमार ठिकाना, पद्मा मेघना जमुना। यह मुक्ति का घोष था। पाकिस्तानी सेना के अत्याचारों से, बांगला भाषियों की मुक्ति का तारीख 16 दिसंबर 1971 थी। बांग्लादेश स्वतंत्र देश था ढाका इस स्वतंत्र देश की स्वतंत्र राजधानी 13 दिन तक चले युद्ध के बाद भारतीय सेना ढाका में थी पाकिस्तान दो टुकड़ों में बट चुका था पूर्वी पाकिस्तान का अस्तित्व खत्म हो चुका था लेकिन यह केवल 13 दिन की लड़ाई नहीं थी यह भाषाई भेदभाव और सैन्य अत्याचारों के खिलाफ करीब ढाई दशक का संघर्ष था। लेकिन बांग्लादेश के बनने से पहले नरसंहार की वो काली रात की कहानी का जिक्र बहुत कम होता है। जिसने पूरी मानवता को शर्मशार कर दिया था। बांग्लादेश में 25 मार्च 1971 को नरसंहार दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन पाकिस्तानी सेना ने ऑपरेशन सर्चलाइट के नाम पर तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान ने निहत्थे लोगों का कत्लेआम किया था। 2017 को शेख हसीना की सरकार के कार्यकाल में बांग्लादेश की संसद ने सर्वसम्मति से इसे नरसंहार दिवस घोषित किया था।बांग्लादेश के इतिहास का शर्मनाक दिनबांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने 25 मार्च को मनाए जाने वाले नरसंहार दिवस के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। यह दिवस 1971 में पाकिस्तानी कब्ज़ा करने वाली सेनाओं द्वारा मूल बंगाली लोगों के खिलाफ किए गए अकल्पनीय अत्याचारों और हत्याओं की याद में मनाया जाता है। एक्स पर जारी एक आधिकारिक बयान में, रहमान ने 25 मार्च, 1971 को बांग्लादेश के इतिहास के सबसे काले दिनों में से एक बताया। यह वह दिन था जब पाकिस्तानी कब्ज़ा करने वाली सेनाओं ने ऑपरेशन सर्चलाइट शुरू किया था, जिसके तहत उन्होंने ढाका विश्वविद्यालय, पिलखाना, राजारबाग पुलिस लाइन्स और अन्य स्थानों पर रात के अंधेरे में निहत्थे नागरिकों, छात्रों, शिक्षकों और बुद्धिजीवियों का सुनियोजित नरसंहार किया था। रहमान ने लिखा कि हालाँकि, 25 मार्च की रात को चटोग्राम में स्थित 8वीं पूर्वी बंगाल रेजिमेंट ने 'हम विद्रोह करते हैं' का नारा लगाकर नरसंहार के विरुद्ध औपचारिक रूप से सशस्त्र प्रतिरोध की शुरुआत की।

संगीत में पुराने दौर की गरिमा लौटाने का वक्त

भाव-भंगिमाएं

क्षमा शर्मा

फिल्मी गीतों में हमेशा प्रेम, आकर्षण व अंतरंगता जैसे विषयों को भी गहरे प्रतीकों व गरिमा के साथ पेश किया गया है। किंतु मौजूदा दौर में, खासकर रैप व व्यावसायिक संगीत के बढ़ते प्रभाव के चलते वह नाजुक संतुलन गड़बड़ा...फिल्मी गीतों में हमेशा प्रेम, आकर्षण व अंतरंगता जैसे विषयों को भी गहरे प्रतीकों व गरिमा के साथ पेश किया गया है। किंतु मौजूदा दौर में, व्यावसायिक संगीत के बढ़ते प्रभाव के चलते वह नाजुक संतुलन गड़बड़ा रहा है। बंदूकें, धन और ताकत का प्रदर्शन करने वाले संगीत के वीडियो भले रोमांचक लगते हों, लेकिन नयी पीढ़ी पर उनका गलत असर हो रहा है।

भारतीय फ़िल्मी गाने कभी भी महज मनोरंजन का साधन नहीं रहे हैं; उन्होंने हमेशा समाज की भावनात्मक गहराई, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और परिष्कृत सौंदर्यबोध को प्रतिबिम्बित किया। एक समय था जब हिंदी सिनेमा ने प्रेम, आकर्षण और शारीरिक अंतरंगता जैसे विषयों को भी असाधारण गरिमा से प्रस्तुत किया था। बोल विचारोत्तेजक होते हुए भी संयमित, अभिव्यक्ति करते वक्त गरिमामय रहते थे। किंतु, वर्तमान दौर में, विशेषकर रैप व व्यावसायिक संगीत के बढ़ते प्रभाव के चलते वह नाज़ुक संतुलन अब लुप्तप्राय है; उसकी जगह उघड़ी कामुकता और सनसनी की प्रवृत्ति ने ले ली है।नोरा फ़तेही के नृत्य-गीत 'सरके चुनर तेरी सरके' को लेकर हाल ही में खड़ा हुआ विवाद इसी बदलाव का एक उदाहरण है। इस गाने की इसके कथित अश्लील बोलों और बेहद कामुक प्रस्तुति के लिए आलोचना हुई। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों, अनौपचारिक बैठकों व बहस के मंचों पर जनाक्रोश दिखा। बताया जाता है कि सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ फ़िल्म सर्टिफ़िकेशन जैसे प्राधिकरणों ने वकील विनीत जिंदल की शिकायत के बाद मामले का संज्ञान लिया, मानवाधिकार आयोग ने भी इस बारे नोटिस जारी किया।बादशाह के 'टटीरी' गीत मामले में भी कुछ ऐसा ही हंगामा देखने को मिला था। इस हरियाणवी रैप गाने का इसके बोलों और दृश्यों को लेकर व्यापक विरोध हुआ, जिन्हें अश्लील और स्त्री को बतौर वस्तु प्रस्तुत करने वाला माना गया। इसके बाद कानूनी शिकायतें दर्ज की गईं, और हरियाणा राज्य महिला आयोग ने कलाकार को स्पष्टीकरण देने के लिए तलब किया, पेश न होने पर कड़े निर्देश जारी किए, जिनमें गिरफ़्तारी, पासपोर्ट ज़ब्ती और राज्य में उसकी प्रस्तुतियों पर रोक लगाना शामिल था। मामला और तूल पकड़ गया, जब एक एफआईआर में गाने की सामग्री अश्लील बतायी गयी-खासकर वे दृश्य जिनमें स्कूल जैसे माहौल में अनुचित चित्रण किया गया था। अंततः, बढ़ते विरोध के दबाव में इस गाने को वापस लिया और माफ़ीनामा भी जारी किया। इस घटना ने जो बड़ा सवाल खड़ा किया कि कलात्मक आजादी व सामाजिक ज़िम्मेदारी के बीच सीमा रेखा कहां खींची जाए-वो अभी अनुत्तरित है।

ये घटनाएं कोई अलग-थलग मामले नहीं; बल्कि समकालीन संगीत जगत में एक व्यापक चलन की ओर संकेत करती हैं। अनेक आधुनिक गाने अब 'सभ्य रुचि' की सीमाएं लांघते प्रतीत होते हैं; इनमें ऐसी भाषा व दृश्यों का प्रयोग किया जाता है जो श्रोताओं के बड़े वर्ग को भोंडे व असहज करने वाले लगते हैं। ऐसी भाव-भंगिमाएं या अभिव्यक्तियां जो खुलेआम अश्लील इशारे करती हैं, या व्यक्तियों को महज़ वस्तु के रूप में पेश करती हैं, ये उस ज़हीन और गरिमामय रोमांस के चित्रण की जगह ले रहे हैं, जो कभी फ़िल्मी संगीत की पहचान था। ऐसे बोल अक्सर भावनात्मक जुड़ाव पेश करने के बजाय, रोबदार छवि और खोखले दिखावे के भाव ही अधिक परिलक्षित करते हैं।ऐसी सामग्री की बढ़ती लोकप्रियता शायद सबसे ज़्यादा चिंताजनक है। म्यूज़िक वीडियो में अक्सर हिंसा, आक्रामकता और वस्तुवाद-बंदूकें, लक्ज़री कारें और शक्ति-प्रदर्शन-जैसे दृश्य अधिक रखे जाते हैं। कुछ खास वर्ग में, जिनमें पंजाबी पॉप और रैप शामिल हैं, दबदबे और मर्दानगी के बार-बार दोहराए जाने वाले विषयवस्तु ही हावी रहते हैं। जहां ये चीज़ें तुरंत आकर्षित करती हैं और जोश भर सकती हैं वहीं इनसे सांस्कृतिक सोच बदलने का खतरा रहता है-खासकर उन संवेदनशील युवाओं में, जो इन छवियों को तेज़ी से अपनाते हैं।रचनात्मक स्वतंत्रता कलात्मक अभिव्यक्ति की नींव है और इसका सम्मान होना चाहिए। हालांकि, यह पहचान रखना भी उतना ही अहम है कि दीर्घकालीन कलात्मकता अक्सर कल्पनाशीलता, भाषा और संयम के सामंजस्यपूर्ण मिश्रण से उभरती है।

पुरानी रंजिश में खूनी संघर्ष
लाठी-डंडे, धारदार हथियार चले

बिल्हौर के बछना गांव में दो पक्ष भिड़े, 3 गंभीर घायल, दोनों ओर से तहरीर

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। बिल्हौर थाना क्षेत्र के बछना गांव में गुरुवार को पुरानी रंजिश के चलते दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से लाठी-डंडों और धारदार हथियारों का इस्तेमाल किया गया, जिसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया और मामले की जांच शुरू कर दी है।पीड़ित पक्ष की ओर से रेखा देवी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बुधवार को उनके बेटे अनमोल का गांव के कुछ युवकों से खेल के दौरान विवाद हो गया था। आरोप है कि इसी रंजिश को लेकर गुरुवार को अजीत सिंह अपने बेटे अनमोल के साथ खेत जा रहे थे, तभी रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे वीर सिंह, राज यादव, नीरज सिंह और सुनैना ने उन पर हमला कर दिया।

हमलावरों ने अजीत सिंह और अनमोल पर लाठी-डंडों के साथ चाकू और कुल्हाड़ी से वार कर उन्हें घायल कर दिया। शोर सुनकर बीच-बचाव करने पहुंचे विशाल और चंद्रशेखर को भी हमलावरों ने नहीं बख्शा और उन पर भी कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे वे भी चोटिल हो गए। घटना के दौरान ग्रामीणों के पहुंचने पर हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना के बाद दोनों पक्षों ने थाने पहुंचकर एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। थाना प्रभारी के मुताबिक, दोनों पक्षों से तहरीर मिली है। घायलों को उपचार के लिए भेजा गया है और पूरे मामले की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मेला देखकर लौट रहे युवक पर हमला, मोबाइल-नकदी लूटी

स्वराज इंडिया ब्यूरो

- घात लगाकर बैठे दबंगों ने लाठी-डंडों व सरिया से किया हमला
- शिकायत वापस न लेने पर मां-बेटे को गोली मारने की धमकी

बिल्हौर (कानपुर नगर)। सिंह भवानी मंदिर का मेला देखकर लौट रहे युवक पर दबंगों ने घात लगाकर हमला कर दिया। हमलावर लाठी-डंडों व सरिया से पीटकर उसे मरणासन्न कर गए और मोबाइल व नकदी लूटकर फरार हो गए। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

पंतनगर कस्बा निवासी नर्वल पुत्र ध्यान सिंह के अनुसार 25 मार्च की रात करीब 11 बजे वह मेला देखकर घर लौट रहा था। रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे मोहल्ले के सौरभ, अर्जुन, नीलू, सुंदर व मथुरा निवासी सिद्धू ने उसे घेर लिया। आरोप है कि सभी ने मिलकर उस पर ताबड़तोड़ हमला किया। इसके बाद उसका करीब 25 हजार रुपये कीमत का मोबाइल और कवर में रखे 1180 रुपये लूटकर फरार हो गए। होश आने पर पीड़ित किसी तरह घर पहुंचा और परिजनों को घटना की जानकारी दी। अगले दिन वह अपनी मां मुन्नी देवी के साथ थाने पहुंचा और तहरीर दी।

पीड़ित का आरोप है कि जब उसकी मां आरोपितों के घर मोबाइल मांगने पहुंची तो परिजनों ने गाली-गलौज कर भगा दिया और तहरीर वापस लेने का दबाव बनाया। साथ ही धमकी दी कि शिकायत वापस न लेने पर मां-बेटे को गोली मार दी जाएगी। पीड़ित ने पुलिस से सुरक्षा और आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी सुधीर कुमार ने बताया कि प्रार्थना पत्र के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही।

घायल युवक शरीर पर चोट के निशान दिखाता

छेड़छाड़ व मारपीट मामले में कार्रवाई न होने पर पीड़िता ने एसीपी से लगाई गुहार

एसीपी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराने पहुंची पीड़िता, साथ में पति व बच्चे

स्वराज इंडिया ब्यूरो

- जेठ पर गलत नीयत से हमला कर कपड़े फाड़ने का आरोप
- थाना पुलिस पर लापरवाही एवं आरोपी को छोड़ने का आरोप

बिल्हौर(कानपुर)। अरौल थाना क्षेत्र के भागमलपुरवा गांव में छेड़छाड़ और मारपीट के मामले में कार्रवाई न होने से आहत पीड़िता ने अब एसीपी बिल्हौर से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है।

पीड़िता ने शिकायती पत्र में बताया कि 23 मार्च 2026 की शाम करीब 6 बजे वह घर में अकेली थी। आरोप है कि इसी दौरान उसका जेठ शिशुपाल घर में घुस आया और गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर उसने कथित तौर पर महिला को जमीन पर पटक दिया और उसके कपड़े फाड़ दिए। पीड़िता का कहना है कि शोर सुनकर पहुंचे उसके 12 वर्षीय पुत्र अमन को भी आरोपी ने सिर के बल पटक दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, मौके पर पहुंचे पति रघुनाथ के साथ भी आरोपी ने लाठी-डंडों से मारपीट की, जिससे तीनों को चोटें आईं।

घायलों का इलाज सीएचसी बिल्हौर में चल रहा है। पीड़िता सोना पत्नी रघुनाथ के मुताबिक, घटना की सूचना डायल 112 पर दी गई थी, पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को थाने ले गई, लेकिन बाद में उसे छोड़ दिया गया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि थाना अरौल पुलिस ने उसकी शिकायत पर अब तक मुकदमा दर्ज नहीं किया है। आरोपी को दबंग प्रवृत्ति का बताते हुए उसने कहा कि वह पहले भी छेड़छाड़ और मारपीट कर चुका है। कार्रवाई न होने से परेशान पीड़िता ने अब एसपी से शिकायत कर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल। पुलिस पीड़ित की तहरीर के आधार पर जाँच शुरू कर दी है।

ट्रैक्टर से गिरकर मासूम की मौत, गांव में पसरा मातम

स्वराज इंडिया ब्यूरो

शिवराजपुर/बिल्हौर (कानपुर)। थाना क्षेत्र के मुस्ता गांव में गुरुवार को एक हृदयविदारक हादसे में एक मासूम बच्चे की जान चली गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया, वहीं पूरे गांव में शोक का माहौल है।

- खेत में खेलते समय हुआ हादसा, अस्पताल पहुंचने से पहले ही तोड़ा दम

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी राहुल गौतम के खेत में आलू की खुदाई का कार्य चल रहा था। परिवार के लोग खेत पर मौजूद रहकर काम में जुटे थे। इसी दौरान परिवार के एक सदस्य ने बच्चे को खेत में खड़े ट्रैक्टर पर बैठा दिया। खेलते समय अचानक मासूम संतुलन खो बैठा और ट्रैक्टर से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना के तुरंत बाद परिजन उसे उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने जांच के उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण भी मौके पर जुट गए और शोक संवेदना व्यक्त की। इस दर्दनाक हादसे के बाद गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है।

मासूम की मौत पर बिलखते परिजन

शिवराजपुर में 403 ग्राम अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। शिवराजपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरुवार को एक अहम सफलता हासिल की। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने गंगा तट पर स्थित खेरेश्वर पुल के पास घेराबंदी कर एक संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान युवक के कब्जे से करीब 403 ग्राम अफीम बरामद हुई।

- उन्नाव में भी दर्ज है मुकदमा,एनडीपीएस एक्ट में भेजा गया जेल

पूछताछ में उसकी पहचान जालौन जनपद के कालपी थाना क्षेत्र के देवपुरा गांव निवासी अनवर अली के रूप में हुई। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी काफी समय से मादक पदार्थों की तस्करी में सक्रिय था। उसके खिलाफ उन्नाव में भी पूर्व में एक मामला दर्ज बताया जा रहा है। थाना प्रभारी अमित सिंह ने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देश पर क्षेत्र में अपराध और अवैध गतिविधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में यह कार्रवाई की गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।इस कार्रवाई में पुलिस टीम के हेमंत कुमार, शुभम गौतम, राममोहन समेत अन्य कर्मियों की सक्रिय भूमिका रही।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी

तेंदुआ का आतंक: खेतों से घरों तक बढ़ा खतरा, दहशत में ग्रामीण

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» निघासन, पलिया और धौरहरा में लगातार बढ़ रही तेंदुओं की गतिविधि

» हमलों और घटनाओं से सहमे लोग, वन विभाग की कार्यशैली पर उठे सवाल

लखीमपुर खीरी। जनपद के निघासन, पलिया और धौरहरा तहसील क्षेत्रों में इन दिनों तेंदुओं की बढ़ती चहलकदमी ने ग्रामीण जीवन को असुरक्षा और भय के साये में ला खड़ा किया है। हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि तेंदुए का दिखना अब असामान्य घटना नहीं रहा, बल्कि यह रोजमर्रा की चर्चा का विषय बन गया है। जंगलों से निकलकर आबादी और खेतों की ओर बढ़ते तेंदुए अब सीधे इंसानों के संपर्क में आ रहे हैं, जिससे खतरा कई गुना बढ़ गया है।

ग्रामीण इलाकों में किसान, जो पहले बेखौफ होकर खेतों में काम करते थे, अब हर पल सतर्क रहने को मजबूर हैं। सुबह-शाम खेतों में जाने से पहले लोग आसपास की टोह लेते हैं और समूह में ही निकलना सुरक्षित मान रहे हैं। तेंदुओं की मौजूदगी ने खेती-किसानी जैसे रोजमर्रा के कार्यों को भी जोखिम भरा बना दिया है।

बीते दिनों मझगई वन क्षेत्र में हुई घटना ने इस खतरे की गंभीरता को उजागर कर दिया, जब एक तेंदुए ने तीन किसानों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया।

हालांकि, किसानों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए तेंदुए का मुकाबला किया और उसे रस्सी से बांधने में सफल रहे, लेकिन इस घटना ने इलाके में भय को और गहरा कर दिया।इससे पहले बेलरायां वन क्षेत्र के फुटहा फार्म में हुई हृदयविदारक घटना ने पूरे जनपद को झकझोर दिया था, जहां एक सात वर्षीय मासूम बच्ची को तेंदुआ घर के भीतर से उठाकर ले गया। इस दर्दनाक हादसे के बाद ग्रामीणों में न केवल डर बल्कि गहरा आक्रोश भी व्याप्त है।

लगातार अलग-अलग स्थानों पर तेंदुओं के देखे जाने से यह स्पष्ट संकेत मिल रहा है कि क्षेत्र में एक नहीं, बल्कि कई तेंदुए सक्रिय हैं।

इसके बावजूद वन विभाग की ओर से प्रभावी कार्रवाई का अभाव नजर आ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग की टीमें केवल औपचारिकता निभा रही हैं और स्थायी समाधान की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।शाम ढलते ही गांवों में सन्नाटा पसर जाता है। लोग अपने बच्चों को घरों के भीतर ही रखने को मजबूर हैं और रात के समय बाहर निकलने से पूरी तरह बच रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही तेंदुओं को पकड़ने या सुरक्षित जंगलों में वापस भेजने की ठोस रणनीति नहीं अपनाई गई, तो स्थिति और भी भयावह हो सकती है। प्रशासन और वन विभाग के लिए यह एक बड़ी चुनौती बन चुकी है कि वे मानव-वन्यजीव संघर्ष को कैसे नियंत्रित करें और ग्रामीणों में सुरक्षा का भरोसा कैसे बहाल करें।

खास खबर

- » निघासन, पलिया और धौरहरा क्षेत्रों में तेंदुओं की सक्रियता तेजी से बढ़ी
- » मझगई वन क्षेत्र में तेंदुए के हमले में तीन किसान घायल
- » बेलरायां क्षेत्र में 7 वर्षीय बच्ची को तेंदुआ उठा ले गया
- » ग्रामीणों में भय और आक्रोश, शाम होते ही गांवों में सन्नाटा
- » वन विभाग की कार्यशैली पर उठ रहे सवाल, ठोस कार्रवाई की मांग
- » खेती और दैनिक जीवन पर गहरा असर, लोग समूह में निकलने को मजबूर

बेलगाम अफसरशाही का शिकार हुए राज्यमंत्री असीम अरुण !

कार्यक्रम में अव्यवस्था पर राज्यमंत्री असीम अरुण नाराज, डीएम को लिखा पत्र

» मुख्य अतिथि समय पर पहुंचे, 45 मिनट इंतजार के बाद लौटना पड़ा

» समय पर पहुंचे मंत्री, फिर भी नहीं शुरू हुआ कार्यक्रम

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कन्नौज/लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में समाज कल्याण विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कन्नौज में आयोजित एक कार्यक्रम में अव्यवस्था और समय की अनदेखी पर कड़ा असंतोष जताया है। उन्होंने इस संबंध में जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री को पत्र लिखकर नाराजगी दर्ज कराई है। राज्य मंत्री असीम अरुण को 26 मार्च 2026 को रोमा स्मारक में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शाम 5:30 बजे आमंत्रित किया गया था। मंत्री नियत समय पर कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गए, लेकिन वहां व्यवस्थाएं पूरी तरह अस्त-व्यस्त मिलीं।

पत्र के अनुसार, कार्यक्रम के मुख्य आयोजक सुश्री वैशाली (एसडीएम) मंत्री के पहुंचने के करीब 15 मिनट बाद मौके पर पहुंचीं, जबकि इसके बाद एडीएम का आगमन हुआ।

45 मिनट तक इंतजार, फिर लौटना पड़ा

मंत्री ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि उन्होंने कार्यक्रम शुरू होने के लिए लगभग 45 मिनट तक प्रतीक्षा की। इस दौरान मंच से लगातार यह घोषणा होती रही कि कार्यक्रम जिलाधिकारी के आगमन के बाद शुरू होगा।

हालांकि, जिलाधिकारी के आगमन को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी, जिससे स्थिति असहज हो गई। अंततः मंत्री को कार्यक्रम स्थल से वापस लौटना पड़ा।

अनुशासन और समयबद्धता पर दिया जोर

असीम अरुण ने पत्र में स्पष्ट कहा कि एक लोक सेवक के रूप में समय की पाबंदी और अनुशासन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कार्यशैली का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी अधिकारियों को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।

मंत्री ने जिलाधिकारी से अपेक्षा जताई है कि भविष्य में इस प्रकार की अव्यवस्था दोबारा न हो और कार्यक्रम समय पर शुरू हों। उन्होंने कहा कि ÷अनुशासन ही प्रशासन की नींव है÷ और सभी अधिकारियों से समयबद्धता का पालन अपेक्षित है।

प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज

इस पत्र के सामने आने के बाद प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। एक राज्य मंत्री द्वारा सीधे जिलाधिकारी को इस तरह नाराजगी जताना प्रशासनिक कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

सूत्रों के अनुसार, इस प्रकरण के बाद जिले में कार्यक्रमों की समयबद्धता और प्रोटोकॉल को लेकर सख्ती बढ़ने की संभावना है।

कहिंजरी में मां काली दरबार में उमड़ी आस्था की लहर

हजारों भक्तों ने मां काली के दरबार में जवारे चढ़ाकर पूजा-अर्चना की

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद, कानपुर देहात। नवरात्रि के पावन अवसर पर क्षेत्र के कहिंजरी स्थित प्राचीन काली माता मंदिर में श्रद्धा, आस्था और विश्वास का अद्भुत संगम देखने को मिला। अष्टमी के दिन दूर-दराज के गांवों से आए हजारों भक्तों ने मां काली के दरबार में जवारे चढ़ाकर पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना की।

मंदिर परिसर ÷जय मां काली÷ के जयकारों से गूंज उठा। भक्त ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचते-गाते, झूमते हुए अपने-अपने गांवों से जुलूस के रूप में मंदिर पहुंचे।

इस दौरान पूरे क्षेत्र का माहौल भक्तिमय हो गया और ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो माता रानी स्वयं अपने भक्तों को दर्शन दे रही हों।

विशेष रूप से, कई श्रद्धालुओं ने अपनी मन्नत पूरी होने पर कठिन साधना का प्रदर्शन किया।

भक्तों ने मुंह में लोहे की सांगे धारण कर दंडवत करते हुए माता के चरणों तक पहुंचकर आशीर्वाद लिया। इस आस्था के अनोखे रूप में पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं और युवतियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

माल का पुरवा, सौंज, किशनपुर बरईझाल, भूरदेव, बड़ा गांव, भीखदेव और कपराहट समेत आसपास के कई गांवों से आए श्रद्धालुओं ने मां काली के दरबार में माथा टेककर अपने परिवार की खुशहाली की कामना की।

मंदिर परिसर में सजा भव्य मेला

अष्टमी के अवसर पर काली माता मंदिर परिसर में हर वर्ष की तरह इस बार भी एक दिवसीय विशाल मेले का आयोजन किया गया। मेले में क्षेत्रीय दुकानदारों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और विभिन्न प्रकार की दुकानों को सजाया। मेले में पहुंची महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने जमकर खरीदारी की और झूलों व मनोरंजन के साधनों का आनंद उठाया। पूरा परिसर उत्सव और उल्लास से सराबोर नजर आया। नवरात्रि के इस आयोजन ने न सिर्फ धार्मिक आस्था को मजबूत किया, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को भी जीवंत कर दिया।

रामनवमी पर सख्त सुरक्षा

अकबरपुर में एसपी का फ्लैग मार्च, प्रदर्शनी की सुरक्षा व्यवस्था परखी

गश्त के दौरान दुकानदारों और स्थानीय लोगों से किया संवाद

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रामनवमी पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने गुरुवार रात्रि को थाना अकबरपुर क्षेत्र में भारी पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बाजारों, प्रमुख चौराहों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में भ्रमण कर आमजन को सुरक्षा का भरोसा दिलाया।

पुलिस अधीक्षक ने गश्त के दौरान दुकानदारों और स्थानीय लोगों से संवाद करते हुए कहा कि त्योहार के दौरान किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें

और संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दिए सख्त निर्देश

पैदल गश्त के दौरान एसपी ने अकबरपुर में आयोजित प्रदर्शनी स्थल का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने प्रवेश और निकास द्वारों, पार्किंग व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी तथा भीड़ नियंत्रण व्यवस्था को बारीकी से परखा। आयोजकों को निर्देशित किया गया कि पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके। एसपी ने कहा कि त्योहार के दौरान संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए और गश्त बढ़ाई जाए। गश्त के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी अकबरपुर, भोगनीपुर व सिकन्दरा समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

बन्नापुर से शिवली तक हाईवे चौड़ीकरण शुरू 50 करोड़ की परियोजना से बदलेगी रफ्तार

15 किमी हिस्से में तेज हुआ काम, सफर होगा सुरक्षित और सुगम

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद में लंबे समय से उठ रही सड़क सुधार की मांग अब धरातल पर उतरती नजर आ रही है। बन्नापुर बम्बी से शिवली की ओर स्टेट हाईवे-68 के चौड़ीकरण का कार्य विधिवत शुरू हो गया है। इस पहल से क्षेत्रीय लोगों में खुशी का माहौल है और बेहतर आवागमन की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

करीब 50 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रही इस परियोजना के तहत 15 किलोमीटर लंबे मार्ग को चौड़ा किया जाएगा। वर्तमान में 7 मीटर चौड़ी सड़क को बढ़ाकर 10 मीटर किया जा रहा है, जिससे यातायात अधिक सुगम, तेज और सुरक्षित होगा। गुरुवार से बन्नापुर बम्बी क्षेत्र में निर्माण कार्य की शुरुआत कर दी गई है। निर्माण एजेंसी द्वारा सड़क किनारे चूना डालकर सीमांकन किया जा रहा है, वहीं रोड रोलर से समतलीकरण का कार्य भी जारी है। इसके साथ ही झाड़ियों और छोटे पेड़ों की छंटाई कर मार्ग को चौड़ा करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

स्वराज इंडिया

3 मीटर सड़क चौड़ीकरण से मिलेगी राहत, अब कानपुर जाना होगा आसान

सफर में आएगा बड़ा बदलाव

सड़क चौड़ीकरण के बाद क्षेत्रवासियों को कई फायदे मिलेंगे। कानपुर और लखनऊ की दूरी कम समय में तय हो सकेगी, ओवरटेकिंग आसान होने से दुर्घटनाएं घटेंगी और भारी वाहनों का संचालन भी सुचारु होगा। इसके अलावा व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बेहतर होगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों का शहरों से संपर्क मजबूत होगा। यह मार्ग कानपुर, लखनऊ, दिल्ली, औरैया, बिधूना व माती जैसे प्रमुख स्थानों को जोड़ता है, इसलिए इसका चौड़ीकरण क्षेत्रीय विकास के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

परियोजना का दायरा

चौबेपुर से रसूलाबाद तक कुल लगभग 46 किलोमीटर सड़क का चौड़ीकरण प्रस्तावित है। इसमें कानपुर नगर क्षेत्र के 14 किलोमीटर हिस्से का कार्य लगभग पूरा हो चुका है, जबकि कानपुर देहात के 32 किलोमीटर हिस्से में काम प्रगति पर है। फिलहाल पांडव नदी (शिवली) से बन्नापुर बम्बा तक 15 किलोमीटर हिस्से को प्राथमिकता पर लिया गया है।

> चौबेपुर-बेला रोड स्टेट हाईवे-68 के 15 किलोमीटर हिस्से को 7 मीटर से 10 मीटर चौड़ा करने का प्रस्ताव स्वीकृत हो चुका है। कार्य तेजी से कराया जा रहा है और जल्द ही इसे पूरा कर लिया जाएगा।
>
> **जेई महेश कुमार, जेई, लोक निर्माण विभाग**

कहिंजरी-रसूलाबाद मार्ग भी चर्चा में

स्थानीय लोगों ने कहिंजरी से रसूलाबाद (16 किमी) मार्ग के चौड़ीकरण की मांग भी उठाई है। उनका कहना है कि इस मार्ग पर अधिक मोड़ हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। यदि इस हिस्से का भी चौड़ीकरण हो जाए तो रसूलाबाद से कानपुर तक पूरा मार्ग एक समान चौड़ा और सुरक्षित हो सकेगा।

गुड़ा शेरपुर में बेखौफ चोरों का धावा, लाखों की चोरी से दहशत

रात में सेंध लगाकर नकदी व जेवरात पार, गहरी नींद में सोते रहे परिजन; पुलिस जांच में जुटी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद में अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं और चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। मूसानगर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत गुड़ा शेरपुर में बीती रात हुई बड़ी चोरी की वारदात ने पुलिस व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। बेखौफ चोरों ने रात के सन्नाटे का फायदा उठाते हुए एक घर को निशाना बनाया और लाखों रुपये की नकदी व जेवरात पार कर दिए।

गांव निवासी मंजू देवी, पत्नी संजय सिंह, अपने घर में सो रही थीं, जबकि परिवार के अन्य सदस्य पास के कमरे में आराम कर रहे थे। इसी दौरान चोरों ने घर में सेंध लगाई और मुख्य कमरे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश कर गए। इसके बाद उन्होंने बक्सों और आलमारियों की कुंडियां तोड़कर पूरे घर को खंगाल डाला। हैरानी की बात यह रही कि घर के लोग गहरी नींद में सोते रहे और चोर आराम से वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।

रात में जब संजय सिंह की आंख खुली तो सामने का दृश्य देखकर उनके होश उड़ गए। कमरे का दरवाजा टूटा हुआ था और सामान चारों ओर बिखरा पड़ा था। अलमारी व संदूकों को पूरी तरह खंगाला जा चुका था। इसके बाद उन्होंने तुरंत परिवार के अन्य सदस्यों को जगाया और घटना की जानकारी दी। पीड़ित परिवार के अनुसार चोर करीब 70 हजार रुपये नकद, चांदी के आभूषण, हाफ पेटी, तोड़िया तथा लगभग 100 ग्राम सोने के जेवरात लेकर फरार हो गए। चोरी की कुल कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है। घटना के बाद परिवार सदमे में है और महिलाओं का रो-रोकर बुरा हाल है।

घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 पर सूचना दी गई। मौके पर मूसानगर थाना प्रभारी रीना गौतम पुलिस बल के साथ पहुंचीं और घटनास्थल का निरीक्षण किया। आसपास के लोगों से पूछताछ की गई तथा फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने मौके से फिंगरप्रिंट व अन्य साक्ष्य एकत्र किए। थाना प्रभारी रीना गौतम ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है। संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की जाएगी। उन्होंने शीघ्र खुलासे का भरोसा दिलाया है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में भारी दहशत व्याप्त है। लोगों का कहना है कि रात में पुलिस गश्त पर्याप्त नहीं होती, जिसका फायदा उठाकर चोर सक्रिय हो गए हैं। कई बार शिकायत करने के बावजूद सुरक्षा व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है, लेकिन इस घटना ने पूरे इलाके में असुरक्षा की भावना को गहरा कर दिया है।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, दो युवक गंभीर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। बरौर थाना क्षेत्र के कस्बा बरौर में गुरुवार शाम देशी शराब ठेका के पास दो बाइकों की आमने-सामने हुई जोरदार भिड़ंत में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग जुट गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया, जहां एक की हालत नाजुक बनी हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दोनों बाइकों की रफ्तार तेज थी और अचानक आमने-सामने आने पर जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक क्षतिग्रस्त हो गई और सवार युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।घायल युवकों की पहचान बरौर निवासी अमित कुमार उर्फ गोले और मदनपुर निवासी अनिकेत के रूप में हुई है।एसआई समर सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को देवीपुर सीएचसी भेजा। जहां अमित की हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

मारपीट की अलग अलग घटनाओं में चार घायल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो -कानपुर देहात। भोगनीपुर थाना क्षेत्र के अकोढी व अमरौधा में आपसी रंजिश के कारण मारपीट हो गई। इससे चार लोग बुरी तरह घायल लोग है। पीड़ितो ने भोगनीपुर थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। इमरान निवासी अकोढी ने बताया कि गांव के कुछ लोग उसकी पत्नी को आपशब्द कह रहे थे। उलाहना देने पर गांव के लल्लन फरमान गुलफाम साकिब ने लाठी डंडों से इमरान की पिटाई कर दी जिससे उसका सर फट गया। बचाने आई पत्नी के भी साथ मारपीट कर दी। इमरान ने भोगनीपुर थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। अमरौधा निवासी नरेश ने बताया कि वह घर के पास जा रहे थे तभी गांव के ही निवासी गोविंदा नीलम अशोक वीरेंद्र ने गाली गलौज करते हुए लाठी डंडों से पीट दिया। नरेश ने भोगनीपुर थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है।

मासूम बच्ची को तेंदुए ने बनाया शिकार

मुआवजे और सुरक्षा की मांग को लेकर पूरी रात चला धरना

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। सिंगाही थाना क्षेत्र के गांव सिधौना स्थित फुटहा फार्म में बुधवार शाम एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक तेंदुए ने घर के अंदर से सात वर्षीय मासूम बच्ची को उठाकर मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, जोगी सिंह की सात वर्षीय पुत्री सिमरन बुधवार शाम करीब सात बजे घर के अंदर मौजूद थी। तभी अचानक एक तेंदुए ने घर में घुसकर बच्ची को उठा लिया।

परिजन शोर मचाते हुए पीछे दौड़े, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। काफी तलाश के बाद बच्ची का शव करीब 500 मीटर दूर खेत में क्षत-विक्षत हालत में मिला।घटना के बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शव का पोस्टमार्टम कराने और अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया। सूचना मिलते ही ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अमनदीप सिंह के साथ सिख समाज के लोग भी बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए और अपनी मांगों को लेकर फुटहा फार्म पर पूरी रात धरने पर बैठे रहे। धरने के दौरान ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार को 21 लाख रुपये मुआवजा देने, जंगल की फेंसिंग कराने और आत्मरक्षा में जंगली जानवर की हत्या होने पर किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई न करने की मांग उठाई।गुरुवार सुबह डीएफओ कीर्ति चौधरी मौके पर पहुंचीं और पीड़ित परिवार व धरनारत लोगों से वार्ता की। बातचीत के बाद सहमति बनी कि पीड़ित परिवार को तत्काल 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। साथ ही शासन को मुआवजा राशि बढ़ाने के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा। इसके अतिरिक्त, पीड़ित परिवार को एक आवास उपलब्ध कराने और उनके घर के चारों ओर तत्काल बाउंड्री वॉल बनवाने का आश्वासन भी दिया गया है।साथ ही तेंदुए को पकड़ने के लिए दो पिंजरे पहले से ही लगे है आवश्यकता अनुसार पिंजरे और भी लगाए जाएंगे। वनविभाग के द्वारा उस क्षेत्र में गश्त भी बढ़ा दी गई है। इस दौरान एसडीओ मनोज तिवारी, एसडीएम राजीव निगम, सीओ शिवम कुमार, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अमनदीप सिंह, किसान नेता जसपाल सिंह पल्ला के साथ भारी संख्या सिख समुदाय के लोग व पुलिस बल मौजूद रहा।

ईंधन संकट से निपटने की तैयारी, यूपी में 'गोबर गैस मॉडल' पर काम शुरू

» **उत्तर प्रदेश की 7,527 गौशालाओं से होगी शुरुआत, एलपीजी का विकल्प बनाने की योजना**

» **योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मिशन मोड में काम, ग्रामीण इलाकों को मिलेगी बड़ी राहत**

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। खाड़ी क्षेत्र में जारी युद्ध के चलते पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति पर मंडरा रहे संकट को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाने की तैयारी की है। राज्य में व्यापक स्तर पर गोबर गैस प्लांट स्थापित कर रसोई गैस का वैकल्पिक मॉडल विकसित करने की योजना बनाई जा रही है।

इस योजना की शुरुआत प्रदेश की 7,527 गौशालाओं और गो-आश्रय स्थलों से होगी, जहां वर्तमान में 12.39 लाख से अधिक गोवंश पाले जा रहे हैं।सरकार का लक्ष्य है कि इन गौशालाओं से मिलने वाले गोबर का उपयोग केवल खाद तक सीमित न रहकर ऊर्जा उत्पादन में भी किया जाए।फिलहाल प्रदेश के 80 बड़े गौशालाओं में गोबर गैस प्लांट स्थापित कर उन्हें सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। अब इसे बड़े स्तर पर विस्तार देने की रणनीति तैयार की गई है, जिससे खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ती और सुलभ गैस उपलब्ध कराई जा सके।

उत्तर प्रदेश गो-सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता के अनुसार, मौजूदा हालात में गोबर गैस एक प्रभावी और सस्ता विकल्प साबित हो सकता है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस योजना को मिशन मोड में लागू करने के निर्देश दिए हैं, ताकि अधिकतम लोगों को इसका लाभ मिल सके।सरकार की योजना के तहत पहले चरण में सरकारी गौशालाओं को शामिल किया जाएगा, जबकि अगले चरण में पशुपालकों को भी इससे जोड़ा जाएगा। इससे न केवल एलपीजी पर निर्भरता कम होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

यूपी के स्कूलों में अब एआई अनिवार्य, दो लाख छात्रों को मिलेगी 'फ्यूचर स्किल' की ट्रेनिंग

» **उत्तर प्रदेश के 1200 राजकीय माध्यमिक स्कूलों में प्रोजेक्ट प्रवीण के तहत लागू होगा नया कोर्स**

» **कपिलदेव अग्रवाल बोले, हर ट्रेड के छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में दक्ष बनाना लक्ष्य**

एआई जेनरेटेड प्रतीकात्मक फोटो

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा तंत्र में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। अब राज्य के करीब दो लाख छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की पढ़ाई अनिवार्य रूप से कराई जाएगी। यह पहल 1200 राजकीय माध्यमिक स्कूलों में संचालित 'प्रोजेक्ट प्रवीण' के तहत लागू होगी, जहां कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों को विभिन्न ट्रेड में कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिलदेव अग्रवाल के अनुसार, बदलते दौर में एआई का ज्ञान बेहद जरूरी हो गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए शैक्षिक सत्र 2026-27 से सभी ट्रेड के छात्रों के लिए 'एआई फॉर ऑल' कोर्स अनिवार्य किया जा रहा है।इस योजना के तहत छात्रों और प्रशिक्षकों के लिए चार घंटे का विशेष एआई मॉड्यूल तैयार किया गया है, जिससे वे अपने-अपने क्षेत्र में एआई के व्यावहारिक उपयोग को समझ सकेंगे। फिलहाल प्रोजेक्ट प्रवीण के अंतर्गत 210 घंटे का निशुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसमें आईटी, ब्यूटी एंड हेल्थकेयर, इलेक्ट्रॉनिक्स सहित कई क्षेत्रों को शामिल किया गया है।मिशन निदेशक पुलकित खरे के मुताबिक, इस पहल का उद्देश्य छात्रों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर उनके भविष्य को मजबूत बनाना है।नई व्यवस्था के तहत आईटी, कस्टमर केयर, टेलरिंग, हेल्थकेयर और डिजिटल सेवाओं जैसे जॉब रोल्स के लिए एआई आधारित कस्टमाइज्ड मॉड्यूल तैयार किए गए हैं, ताकि छात्र बाजार की मांग के अनुरूप खुद को तैयार कर सकें।

काशी विश्वनाथ धाम में माधुरी दीक्षित ने पति संग किए दर्शन

अभिनेत्री की झलक पाने की लगी होड़

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

वाराणसी। बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित शुक्रवार को काशी विश्वनाथ धाम पहुंचीं। उन्होंने पति श्रीराम नेने के साथ बाबा के दर्शन किए। इस दौरान लोगों में उनकी एक झलक पाने की होड़ लगी रही। बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित ने शुक्रवार की सुबह पति श्रीराम नेने के साथ बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। उन्होंने कॉरिडोर में भ्रमण कर आलौकिक छटा को निहारा। इस दौरान काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालु अभिनेत्री को अपने बीच देखा तो अचंभित रह गए। लोगों में उनकी एक झलक पाने की होड़ लगी रही। अभिनेत्री माधुरी दीक्षित ने हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन किया। बता दें कि बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित बृहस्पिवार को काशी में पहुंचीं। उन्होंने नमो घाट पर एमवी निषाद क्रूज से गंगा की आलौकिक छटा को निहारा। नीली बनारसी साड़ी में जब माधुरी क्रूज पर आईं तो घाटों पर उनके चाहने वालों की भीड़ उमड़ गई। क्रूज आगे बढ़कर शाम को दशाश्वमेध घाट पहुंची तो भीड़ के चलते वह घाट पर नहीं पहुंच पाईं और वह क्रूज से ही गंगा आरती देखीं। मां गंगा की पूजा कर दीपदान किया। इस दौरान कपल ने अपनी खींची गई तस्वीरें भी साझा की।

रामनवमी पर अयोध्या में उमड़ा आस्था का सैलाब

भए प्रगट कृपाला दीनदयाला...

सूर्य तिलक से आलोकित हुआ रामलला का दिव्य जन्मोत्सव

अभिजीत मुहूर्त में 9 मिनट तक रामलला के ललाट पर पड़ी सूर्य की दिव्य किरणें

लगभग 9 मिनट तक सूर्य की किरणों ने गर्भगृह को दिव्यता से भर दिया। इस अद्भुत दृश्य के साक्षी स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी बने, जिन्होंने दूरदर्शन के माध्यम से इस क्षण का दर्शन किया।

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या में रामनवमी के पावन अवसर पर शुक्रवार दोपहर ठीक 12 बजे अभिजीत मुहूर्त में रामलला का अलौकिक सूर्य तिलक संपन्न हुआ। भय प्रकट कृपाला दीन दयाल की मंगल ध्वनि के बीच जब सूर्य की नीली किरणें भगवान के ललाट पर पड़ीं, तो मानो त्रेता का वह दिव्य क्षण सजीव हो उठा–रामलला का जन्म। प्राण-प्रतिष्ठा के बाद यह दूसरा सूर्य तिलक था, जिसमें

गर्भगृह में 14 आचार्यों की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विशेष पूजा-अर्चना हुई, तत्पश्चात भव्य आरती संपन्न हुई। सूर्य तिलक के उपरांत रामलला को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया। इस दिव्य आयोजन के लिए विज्ञान और श्रद्धा का अनूठा संगम देखने को मिला–अष्टधातु के 20 पाइपों और 65 फीट लंबे विशेष तंत्र के माध्यम से 4 लेंस और 4 दर्पणों द्वारा सूर्य की किरणों को सीधे भगवान के मस्तक तक पहुंचाया गया।प्रातःकाल से ही रामलला के दरबार को पुष्पों से सजाया गया, 5:30 बजे मंगल आरती के साथ भगवान को पीतांबर धारण कराया गया। इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए दर्शन समय बढ़ाकर सुबह 5 बजे से रात 11 बजे तक कर दिया गया। करीब 10 लाख श्रद्धालु रामलला के दर्शन को पहुंचे। राम पथ, भक्ति पथ और जन्मभूमि पथ पर श्रद्धा की लंबी कतारें इस दिव्य उत्सव की साक्षी बन गईं।

सरयू तट से मंदिरों तक 'जय श्रीराम' की गूंज

ब्रह्म मुहूर्त से स्नान-दर्शन का सिलसिला, लाखों श्रद्धालुओं ने मनाया प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रामनवमी के पावन अवसर पर अयोध्या में श्रद्धा का जनसैलाब उमड़ पड़ा। ब्रह्म मुहूर्त से ही लाखों श्रद्धालु सरयू नदी के घाटों पर स्नान के लिए पहुंच गए, जहां स्नान-दान को विशेष पुण्यदायी मानते हुए भक्तों ने पूरे विधि-विधान से आस्था व्यक्त की।

स्नान के बाद श्रद्धालु राम मंदिर सहित प्रमुख मंदिरों में दर्शन के लिए उमड़े। मंदिरों को फूलों और आकर्षक रोशनी से भव्य रूप से सजाया गया, जिससे पूरी रामनगरी दिव्यता में सराबोर नजर आई। ÷जय श्रीराम÷ के गगनभेदी जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

महिलाओं द्वारा पारंपरिक सोहर गीत, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों ने उत्सव को और भी जीवंत बना दिया। दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं में भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। वहीं, जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए। प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहा, जिससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम दर्शन का अनुभव मिल सके।

अयोध्या | **विरोध के मंच पर बयान, बंद कमरे में सहमति?**

राम पथ रेलिंग पर 'डबल गेम'!

व्यापार मंडल पर परिवारवाद के आरोप, विधायक के नेतृत्व की भूमिका पर उठे तीखे सवाल

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। राम पथ की रेलिंग अब सिर्फ यातायात का मुद्दा नहीं, बल्कि अयोध्या की सियासत का नया अखाड़ा बन गई है। आरोप है कि सार्वजनिक मंचों पर रेलिंग का विरोध किया गया, लेकिन बंद कमरे में उसी पर सहमति दे दी गई।

सूत्र बताते हैं कि 23 मार्च को एक बैठक में रेलिंग लगाने पर सहमति बनी, जबकि बाहर निकलते ही विरोध का सुर छेड़ दिया गया। व्यापार मंडल की भूमिका भी सवालों में है। आरोप है कि संगठन कुछ लोगों और परिवार विशेष तक सिमट गया है, जहां व्यापारी हितों से ज्यादा निजी समीकरण हावी हैं। पहले रेलिंग का विरोध और फिर उसी पर चुप्पी–इस 'यू-टर्न' ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। बैठकों में प्रशासन और नेतृत्व की मौजूदगी में प्रस्ताव पास होने की चर्चा है, जिससे यह मुद्दा और गरमा गया है। अब सवाल यह है कि यह विरोध असली है या महज सियासी स्क्रिप्ट? 2027 के चुनावी समीकरणों के बीच राम पथ की रेलिंग अब लोहे से ज्यादा राजनीति की मजबूती का पैमाना बनती दिख रही है।

एक व्यक्ति, 'अनेक पद' से घिरी भाजपा महानगर इकाई

» नीति दरकिनार के आरोप, जवाब से बचते नजर आए महानगर अध्यक्ष, कार्यकर्ताओं में बढ़ा असंतोष

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। भाजपा की एक व्यक्ति, एक पद नीति अयोध्या महानगर संगठन में सवालों के घेरे में है। गरिमा मौर्य को एक साथ पार्षद, महानगर मंत्री और कार्यसमिति सदस्य बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं में नाराजगी खुलकर सामने आ रही है। इसे संगठनात्मक मर्यादा के खिलाफ बताया जा रहा है।इसी क्रम में सुनीता गुप्ता को भी नामित पार्षद के साथ संगठन में शामिल किए जाने से एक से अधिक पद मिलने का आरोप लगा है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि चयन में पारदर्शिता के बजाय व्यक्तिगत समीकरण हावी हैं। सुशील कुमार सिंह को भी तेजी से पद दिए जाने पर सवाल उठ रहे हैं। विवाद तब और गहरा गया जब कथित तौर पर एक विधायक पुत्र के बयान÷मेरे कोटे से मैं जिसे चाहूं, नाम दे सकता हूं÷ ने संगठन के भीतर हलचल मचा दी।

नियम कानून समझाएंगे...

जब इस पूरे मामले पर महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव से संपर्क किया गया, तो उन्होंने खुद को निजी कार्य से बाहर बताया और कहा कि मिलिए, तब पार्टी के नियम कानून समझाएंगे। हालांकि मूल सवालों पर वे सीधा जवाब देने से कन्नी काटते नजर आए, जिससे विवाद और गहराता दिख रहा है।

नवरात्रि की नवमी की देवी मां सिद्धिदात्री की पौराणिक कथा

मां दुर्गा जी की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री हैं। ये सभी प्रकार की सिद्धियों को देने वाली हैं। नवरात्रि में नवमी तिथि के दिन इनकी उपासना की जाती है। इस दिन शास्त्रीय विधि-विधान और पूर्ण निष्ठा के साथ साधना करने वाले साधक को सभी सिद्धियों की प्राप्ति हो जाती है। सृष्टि में कुछ भी उसके लिए अगम्य नहीं रह जाता है। ब्रह्मांड पर पूर्ण विजय प्राप्त करने की सामर्थ्य उसमें आ जाती है।

मार्कण्डेय पुराण के अनुसार अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व- ये आठ सिद्धियां होती हैं। ब्रह्मवैवर्तपुराण के श्रीकृष्ण जन्म खंड में यह संख्या अठारह बताई गई है। इनके नाम इस प्रकार हैं- 1. अणिमा 2. लघिमा 3. प्राप्ति 4. प्राकाम्य 5. महिमा 6. ईशित्व,वाशित्व 7. सर्वकामावसायिता 8. सर्वज्ञत्व 9. दूरश्रवण 10. परकायप्रवेशन 11. वाक?सिद्धि 12. कल्पवृक्षत्व 13. सृष्टि 14. संहारकरणसामर्थ्य 15. अमरत्व 16. सर्वन्यायकत्व 17. भावना 18. सिद्धि

मां सिद्धिदात्री भक्तों और साधकों को ये सभी सिद्धियां प्रदान करने में समर्थ हैं। देवीपुराण के अनुसार भगवान शिव ने इनकी कृपा से ही इन सिद्धियों को प्राप्त किया था। इनकी अनुकम्पा से ही भगवान शिव का आधा शरीर देवी का हुआ था। इसी कारण वे लोक में अर्द्धनारीश्वर नाम से प्रसिद्ध हुए।

मां सिद्धिदात्री चार भुजाओं वाली हैं। इनका वाहन सिंह है। ये कमल पुष्प पर भी आसीन होती हैं। इनकी दाहिनी तरफ के नीचे वाले हाथ में कमलपुष्प है। प्रत्येक मनुष्य का यह कर्तव्य है कि वह मां सिद्धिदात्री की कृपा प्राप्त करने का निरंतर प्रयत्न करें। उनकी आराधना की ओर अग्रसर हो। इनकी कृपा से अनंत दुख रूप संसार से निर्लिप्त रहकर सारे सुखों का भोग करता हुआ वह मोक्ष को प्राप्त कर सकता है।

या देवी सर्वभूतेषु मां सिद्धिदात्री रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

र्थः हे मां! सर्वत्र विराजमान और मां सिद्धिदात्री के रूप में प्रसिद्ध अम्बे, आपको मेरा बार-बार प्रणाम है। या मैं आपको बारंबार प्रणाम करता हूं। हे मां, मुझे अपनी कृपा का पात्र बनाओ।

नवदुर्गाओं में मां सिद्धिदात्री अंतिम हैं। अन्य आठ दुर्गाओं की पूजा उपासना शास्त्रीय विधि-विधान के अनुसार करते हुए भक्त दुर्गा पूजा के नौवें दिन इनकी उपासना में प्रवत्त होते हैं। इन सिद्धिदात्री मां की उपासना पूर्ण कर लेने के बाद भक्तों और साधकों की लौकिक, पारलौकिक सभी प्रकार की कामनाओं की पूर्ति हो जाती है।

सिद्धिदात्री मां के कृपापात्र भक्त के भीतर कोई ऐसी कामना शेष बचती ही नहीं है, जिसे वह पूर्ण करना चाहे। वह सभी सांसारिक इच्छाओं, आवश्यकताओं और स्पृहाओं से ऊपर उठकर मानसिक रूप से मां भगवती के दिव्य लोकों में विचरण करता हुआ उनके कृपा-रस-पीयूष का निरंतर पान करता हुआ, विषय-भोग-शून्य हो जाता है। मां भगवती का परम सान्निध्य ही उसका सर्वस्व हो जाता है। इस परम पद को पाने के बाद उसे अन्य किसी भी वस्तु की आवश्यकता नहीं रह जाती।

मां के चरणों का यह सान्निध्य प्राप्त करने के लिए हमें निरंतर नियमनिष्ठ रहकर उनकी उपासना करनी चाहिए। मां भगवती का स्मरण, ध्यान, पूजन, हमें इस संसार की असारता का बोध कराते हुए वास्तविक परम शांतिदायक अमृत पद की ओर ले जाने वाला है। इनकी आराधना से जातक को अणिमा, लधिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, महिमा, ईशित्व, सर्वकामावसायिता, दूर श्रवण, परकामा प्रवेश, वाकसिद्ध, अमरत्व भावना सिद्धि आदि समस्त सिद्धियों नव निधियों की प्राप्ति होती है।

आज के युग में इतना कठिन तप तो कोई नहीं कर सकता लेकिन अपनी शक्तिनुसार जप, तप, पूजा-अर्चना कर कुछ तो मां की कृपा का पात्र बनता ही है। प्रत्येक सर्वसाधारण के लिए आराधना सरल है। मां जगदम्बे की भक्ति पाने के लिए नवरात्रि में नवमी के दिन माता का पूजन करना चाहिए।

दो जलडमरूमध्य पर 'डबल प्रेशर'

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों, ऊर्जा विशेषज्ञों और सामरिक विश्लेषकों के आकलनों के अनुसार, दुनिया की करीब 20 प्रतिशत तेल आपूर्ति पहले ही प्रभावित हो चुकी है। इसकी सबसे बड़ी वजह होर्मुज जलडमरूमध्य पर बढ़ता जोखिम है, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा माना जाता है। अब संकट और गहराता दिख रहा है। ईरान ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि यदि अमेरिका के साथ उसका टकराव कम नहीं होता, तो वह लाल सागर को अरब सागर से जोड़ने वाले रणनीतिक मार्गबाब-अल-मंडेब जलडमरूमध्य पर भी दबाव बना सकता है। यह वही मार्ग है जिसे हाल के महीनों में होर्मुज के विकल्प के रूप में ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा था।

ऊर्जा बाजार पर नजर रखने वाली संस्थाओं का कहना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से प्रतिदिन लगभग 1.7 से 2 करोड़ बैरल कच्चा तेल गुजरता है। यदि इस मार्ग में बाधा आती है, तो खाड़ी देशों से एशिया, यूरोप और अमेरिका तक तेल की आपूर्ति सीधे प्रभावित होती है। अब यदि बाब-अल-मंडेब भी अस्थिर होता है, तो वैश्विक समुद्री व्यापार के एक बड़े हिस्से पर दोहरा दबाव पड़ेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, बाब-अल-मंडेब के जरिए यूरोप और एशिया के बीच होने वाला बड़ा व्यापारिक ट्रैफिक गुजरता है। यह मार्ग स्वेज नहर के साथ मिलकर दुनिया की सबसे व्यस्त शिपिंग लाइनों में शामिल है। यदि यहां रुकावट आती है, तो जहाजों को अफ्रीका के केप ऑफ गुड होप के रास्ते लंबा चक्कर लगाना पड़ेगा, जिससे लागत और समय दोनों बढ़ेंगे। ऊर्जा विश्लेषकों का अनुमान है कि यदि दोनों जलडमरूमध्य एक साथ प्रभावित होते हैं, तो कच्चे तेल की कीमतें 120 से 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं। यह स्थिति 2008 के वैश्विक आर्थिक संकट के बाद सबसे बड़ा ऊर्जा झटका साबित हो सकती है इस पूरे घटनाक्रम के बीच अमेरिका की सख्त प्रतिक्रिया भी सामने आई है। अमेरिकी नेतृत्व की ओर से स्पष्ट किया गया है कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। हालांकि, जमीनी हालात में अब तक कोई ठोस सुधार नहीं दिख रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि ईरान सीधे तौर पर इन जलमार्गों को बंद करने की बजाय अपने समर्थित गुटों के जरिए दबाव बना सकता है। पहले भी लाल सागर क्षेत्र में जहाजों पर हमलों और ड्रोन गतिविधियों की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिससे वैश्विक शिपिंग कंपनियां पहले ही सतर्क हैं।

भारत जैसे आयात-निर्भर देशों के लिए यह स्थिति और गंभीर हो सकती है। भारत अपनी तेल जरूरतों का लगभग 80 प्रतिशत आयात करता है। कीमतों में उछाल का सीधा असर घरेलू महंगाई, परिवहन लागत और औद्योगिक उत्पादन पर पड़ेगा। कुल मिलाकर, पश्चिम एशिया में बढ़ता यह तनाव केवल क्षेत्रीय संकट नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़े खतरे के रूप में उभर रहा है। आने वाले दिनों में कूटनीतिक प्रयासों की सफलता ही तय करेगी कि यह संकट कितना गहराता है।

'डबल चोक पॉइंट' का खतरा

यदि होर्मुज और बाब-अल-मंडेब दोनों एक साथ प्रभावित होते हैं, तो यह वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के दो सबसे बड़े "चोक पॉइंट" पर दबाव होगा। इतिहास में ऐसा एक साथ बहुत कम हुआ है। इससे ऊर्जा संकट का स्तर अभूतपूर्व हो सकता है।

महंगाई का वैश्विक विस्फोट

तेल कीमतों में उछाल का असर केवल पेट्रोल-डीजल तक सीमित नहीं रहेगा। परिवहन, खाद्य पदार्थ, निर्माण और मैन्युफैक्चरिंग सभी सेक्टर महंगे होंगे, जिससे वैश्विक महंगाई तेजी से बढ़ सकती है।

भारत के लिए डबल झटका

भारत को एक तरफ महंगे आयात का सामना करना पड़ेगा, वहीं रुपये पर दबाव बढ़ेगा। इससे चालू खाता घाटा बढ़ सकता है और आर्थिक विकास की रफ्तार धीमी पड़ सकती है।

कूटनीति बनाम संघर्ष

मौजूदा हालात में समाधान केवल सैन्य नहीं, बल्कि कूटनीतिक है। यदि अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम नहीं हुआ, तो यह संकट लंबा खिंच सकता है और वैश्विक आर्थिक स्थिरता पर गंभीर असर डाल सकता है।

- दुनिया की करीब 20ब तेल आपूर्ति होर्मुज से गुजरती है
- बाब-अल-मंडेब, स्वेज नहर का प्रमुख कनेक्शन पॉइंट
- दोनों मार्गों पर दबाव = वैश्विक सप्लाई चेन बाधित
- तेल 150 डॉलर/बैरल तक पहुंचने की आशंका
- भारत समेत आयात-निर्भर देशों पर सीधा असर
- शिपिंग लागत और बीमा प्रीमियम में भारी वृद्धि संभव

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853,
❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादकः** पुरुषोत्तम द्विवेदी

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com